ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया

नीसर के पांच विकेटों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी उधेड़ी

ब्रिस्बेन, 7 दिसंबर. एशेज का नाम सुनते ही मुकाबले में आग लग जाती है, लेकिन ब्रिस्बेन टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने जिस तरह इंग्लैंड को धूल चटाई, उसने कहानी को साइड-सेट कर दिया—यह मैच एकतरफा था, और इसका स्टार सिर्फ एक नाम था: माइकल नीसर। अपने पांच विकेटों की धमाकेदार गेंदबाजी से उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी को 241 पर निपटा दिया और ऑस्ट्रेलिया को ऐसे टारगेट पर छोड़ दिया जिसे चेस करना नेट-प्रैक्टिस जैसा लग रहा था।

नतीजा—ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से जीत, और सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त। सुबह जब इंग्लैंड ने 6 विकेट पर 134 से अपनी पारी शुरू की, तब थोड़ी उम्मीद बाकी थी। बेन स्टोक्स क्रीज पर थे, और इंग्लैंड चाह रहा था कि किसी तरह स्कोर 300+ तक पहुंच जाए ताकि ऑस्ट्रेलिया को थोड़ा टेंशन मिले। लेकिन नीसर की लाइन-लेंथ ने ये उम्मीद कुछ ही ओवरों में निचोड़ दी। उन्होंने जैसे इंग्लैंड की प्लानिंग को हवा में उड़ा दिया—न लंबे स्पेल, न दिखावा, बस सीधी-सादी सटीक गेंदबाजी।

सबसे पहले विल जौक्स (41) उनकी गेंद पर फंसे। जौक्स क्रीज पर सेट नजर आ रहे थे, लेकिन नीसर का झटका इंग्लैंड को बैकफुट पर ले गया। फिर उन्होंने अपने अगले विकेट के रूप में बेन स्टोक्स (50) को भी चलता किया। इंग्लिश कप्तान ने 152 गेंदों की जिद्दी पारी खेली, लेकिन वह टीम को वह मोमेंटम नहीं दे सके जिसकी सख्त जरूरत थी। इसके बाद गस ऐटकिंसन तीन रन बनाकर आउट हुए और अंत में 76वें ओवर में ब्राइडन कार्स (7) को आउट करके नीसर ने अपनी 5 विकेट की स्पेल पूरी की। इंग्लैंड की पारी 241 पर सिमट गई। जाहिर था—यह स्कोर ऑस्ट्रेलिया जैसे कॉन्फिडेंट और बैलेंस्ड लाइन-अप के लिए बिल्कुल भी खतरनाक नहीं था।

पहली पारी में 511 रन ठोककर वे पहले ही मुकाबले पर कंट्रोल जमा चुके थे। इंग्लैंड की 334 की पहली पारी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 177 रनों की बढ़त पक्की कर ली थी, जो आखिर में मैच बदलने वाला फैक्टर साबित हुआ। अब बारी थी छोटी सी चेज़ की—65 रन। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत जेक वेदरॉल्ड और ट्रेविस हेड के साथ की। दोनों बिना किसी उतावलेपन के खेल रहे थे, क्योंकि लक्ष्य इतना छोटा था कि उन्हें कुछ भी एक्स्ट्रा करने की जरूरत नहीं थी। हां, इंग्लैंड को थोड़ी राहत तब मिली जब गस ऐटकिंसन ने छठे ओवर में ट्रेविस हेड (22) को बोल्ड कर दिया।

> हेड ने 22 गेंदों में दो चौके और एक छक्का जड़ा, लेकिन उनका विकेट सिर्फ स्कोरकार्ड सजाने जैसा था। फिर आठवें ओवर में ऐटकिंसन ने एक और स्ट्राइक दी—मार्नस लाबुशेन (3) आउट। इंग्लैंड की टीम में एक हल्की-सी आशा फिर जगी, लेकिन हल्की ही। क्योंकि क्रीज पर आने वाले खिलाड़ी थे—कप्तान स्टीव स्मिथ, एकदम कूल, एकदम कम्फर्ट जोन में। उन्होंने आते ही मैच की रफ्तार बदल दी। कोई जल्दबाजी नहीं, कोई बेकार शॉट नहीं—बस सॉलिड फिनिश। उन्होंने जेक वेदरॉल्ड के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुँचाया। और फिर—फिनिशिंग टच। ऐटकिंसन की गेंद, स्मिथ का शानदार छक्का। 10 ओवर में ही ऑस्ट्रेलिया का स्कोर था 69/2, और मैच आठ विकेट से उनकी जेब में जा चुका था।

तीरंदाज प्रथमेश फुगे का डबल गोल्ड

'मसल मेमोरी ही मेरा असली हथियार है,' कहते हैं दोहरी जीत के हीरो प्रथमेश

आर्थिक तंगी के बावजूद हर दिन कड़ा अभ्यास, लक्ष्य सिर्फ परिवार का बोझ कम करना

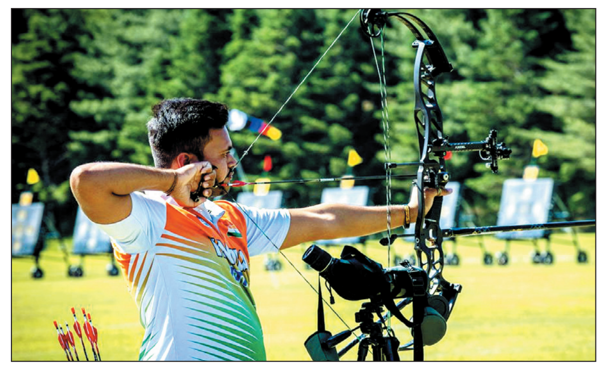

जयपुर, 7 दिसंबर. खेलों में अक्सर कहा जाता है कि मेडल मैदान में नहीं, उससे बहुत पहले रोज़-रोज़ की लड़ाइयों में जीते जाते हैं। सावित्री ज्योतिबाई फुले यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे के 22 वर्षीय तीरंदाज प्रथमेश फुगे इस लाइन का सबसे ताज़ा और दमदार सबूत हैं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में कंपाउंड तीरंदाजी की दो स्पर्धाओं—व्यक्तिगत और मिश्रित टीम—में स्वर्ण जीतकर उन्होंने सिर्फ अपना ही नहीं, बल्कि उन सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया है जो सीमित साधनों में बड़े सपने लेकर अभ्यास करते हैं। जयपुर की ठंडी हवा, भीड़ का शोर, फाइनल का दबाव—कुछ भी प्रथमेश के चेहरे पर असर डालता हुआ नहीं दिखा। व्यक्तिगत फाइनल में उन्होंने मिहिर नितीन के खिलाफ परफेक्ट 10 शॉट्स की बारिश कर दी। हर एक तीर ऐसा लगा मानो लाइन से नहीं, दिल से छोड़ा गया हो।

वहीं मिश्रित टीम कंपाउंड मुकाबले में महक पाठन के साथ उनकी केमिस्ट्री कमाल की रही और दोनों ने मिलकर दूसरा स्वर्ण भी हासिल कर लिया। दोहरे स्वर्ण के बाद भी उनका रिएक्शन बेहद सरल था—न कोई दिखावा, न कोई ओवर-कॉन्फिडेंस, बस वही फ़ोकस जो उन्हें यहां तक लाया। साई मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं जीतने के बारे में नहीं सोचता। बस अपना बेस्ट देता हूं और बाकी ऊपर छोड़ देता हूं। हर 10-पॉइंटर के पीछे मेरा मसल मेमोरी है—न मैं हवा के बारे में सोचता हूं, न विपक्षी के बारे में।'

एसएमएटी में मुम्बई के लिए खेलेंगे यशस्वी जायसवाल

मुम्बई 07 दिसंबर विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरी एकदिवसीय मुकाबले में नाबाद शतक बनाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में अपनी घरेलु टीम मम्बई के लिए खेलेंगे।

यशस्वी जायसवाल ने राष्ट्रीय टी-20 चैंपियनशिप में घरेलू टीम के लिए खेलने की सहमति दे दी है। जायसवाल की उपलब्धता की पुष्टि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने की है।

अधिकारी ने रविवार को क्रिकबज को बताया, 'उन्होंने एसएमएटी अभियान के लिए स्वयं को उपलब्ध कराया है।' जायसवाल आखिरी बार एसएमटी में 2023-24 क्वार्टर-फाइनल में खेले थे और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के कारण पिछले एडिशन में हिस्सा नहीं ले पाए थे। 23 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में 28 मैच खेले हैं, जिसमें 26 पारियों में 27 की औसत और 136.42 के स्ट्राइक रेट से 648 रन बनाए हैं। टूर्नामेंट में उनके नाम तीन हाफ-सेंचुरी हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रोहित शर्मा एसएमएटी में खेलेंगे या नहीं। हालांकि उनकी भागीदारी के बारे में खबरें आई हैं, लेकिन एमसीए के अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं की। एमसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'उन्होंने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।' इससे पहले, टीम के सूत्रों ने संकेत दिया था कि रोहित टी-20 टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन रविवार सुबह तक भी कोई निश्चितता नहीं थी।

एक नजर में

मुख्यमंत्री साहा ने किया गोल्फ टूर्नामेंट शुभारंभ

अगरतला, 07 दिसंबर. त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने रविवार को त्रिपुरा गोल्फ एसोसिएशन (टीजीए) और बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय द्वारा भारत गोल्फ महोत्सव के तहत यहां पूर्वोत्तर में आयोजित पहले गोल्फ टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। टूर्नामेंट में देशभर विभिन्न क्षेत्रों के 30 से अधिक गोल्फर शामिल हुए। आज यहां त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने खेल मंत्री टिंकू रॉय, गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया (जीएफआई) के महासचिव आर्यवीर आर्य, टीजीए के अध्यक्ष डेविड देबबर्मा और सीमा सुरक्षाबल (बीएसएफ) के पुलिस महानिरीक्षक ए.के. चक्रवर्ती के साथ यहां शालबगान में बीएसएफ गोल्फ क्लब में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर त्रिपुरा की पहचान को बढ़ाने के लिए राज्य में एक अंतरराष्ट्रीय-मानक गोल्फ कोर्स स्थापित करने की घोषणा की, जिससे अधिक पर्यटन और निवेश के अवसर मिलेंगे। डॉ. साहा ने कहा कि यह त्रिपुरा में खेल और व्यवसाय के लिए एक नए युग की शुरुआत है।

कोहली-कुलदीप ने कपल डांस किया

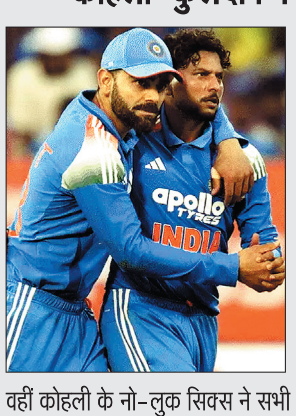

विशाखापत्तनम 07 दिसंबर, भारत ने विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हरा दिया। 271 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने सिर्फ एक विकेट गंवाकर मैच खत्म कर दिया। जीत का अंतिम शॉट विराट कोहली ने लगाया। मुकाबले में रोमांच के साथ मस्ती भी देखने को मिली। कॉर्बिन बॉश के आउट होने के बाद विराट कोहली और कुलदीप यादव ने मजेदार कपल डांस किया। वहीं कोहली के नो-लुक सिक्स ने सभी का ध्यान खींच लिया। कप्तान केएल राहुल ने भी इस मैच में एक अनोखा टोटका अपनाया। वे हर बार दाएं हाथ से टॉस करते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने बाएं हाथ से सिक्का उछाला और भारत ने 20 वनडे बाद आखिरकार टॉस जीत ही लिया। 43वें ओवर में कुलदीप यादव ने कॉर्बिन बॉश को अपनी ही गेंद पर कैच पकड़कर आउट कर दिया। विकेट मिलते ही उनके पास खड़े विराट कोहली भी सेलिब्रेशन में शामिल हो गए और दोनों ने मजेदार अंदाज में कपल डांस किया। एक-दूसरे का हाथ पकड़कर कंधा मिलाते हुए दोनों का डांस देखकर टीममेट्स भी हंस पड़े।

टेनिस से संन्यास लेगी सोराना सिर्स्टिया

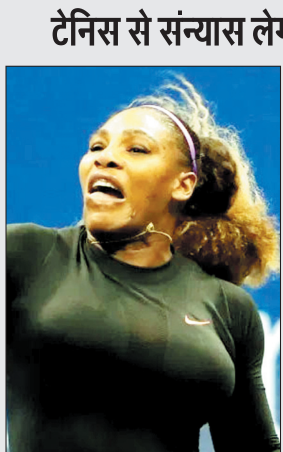

बुखारेस्ट (रोमानिया) 07 दिसंबर रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्ल्यूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा, 'मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं।

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं : बेन स्टोक्स

ब्रिसबेन 07 दिसंबर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा।

मैच के बाद स्टोक्स ने कहा कि हम मैच में दबाव का सामना नहीं कर पाये। उन्होंने कहा इंग्लैंड को सीरीज में बने रहे के लिए और अधिक संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि उनकी टीम मुश्किल हालात से वापसी कर सकती और अब 3-2 का नतीजा ही एशेज वापस जीतने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि कैच छोड़ना टीम की मुख्य खामी रही जिसने लाइट्स में पिंक बॉल से उनकी वापसी के प्रयास को कमजोर कर दिया।

290 पर 3 विकेट होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया 329 पर 6 विकेट पर आ गया - जो अभी भी इंग्लैंड की पहली पारी के 334 रन से पीछे था - लेकिन कई मौकों का फायदा उठाकर तीसरे दिन आखिरकार अपना स्कोर 500 से अधिक कर लिया। उन्होंने कहा, 'बहुत निराशाजनक। इसके कई कारण है कि जब गेम दांव पर होता है, तो हम इस गेम, इस प्रारूप के दबाव का सामना नहीं कर पाते।

माइकल नीसर का पंजा, ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 241 पर समेटा

ब्रिस्बेन, 07 दिसंबर माइकल नीसर (पांच विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड को दूसरी पारी में 241 के स्कोर पर समेट दिया है और अब उसे जीत के लिए 65 रनों की आवश्यकता है। आज यहां इंग्लैंड ने कल के छह विकेट पर 134 रन से आगे खेलना शुरु किया। इंग्लैंड का सातवां विकेट विल जौक्स के रूप में 224 के स्कोर पर गिरा। विल जौक्स ने 92 गेंदों में दो चौकों की मदद से 41 रन बनाये। उन्हें माइकल नीसर ने आउट किया। इसके बाद नीसर ने कप्तान बेन स्टोक्स का भी शिकार कर लिया।

फिट इंडिया में सिक्योरिटी गार्ड्स शामिल

नयी दिल्ली/वाराणसी, 07 दिसंबर फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 52वें संस्करण का मुख्य कार्यक्रम सांस्कृतिक रूप से जीवंत शहर वाराणसी में हुआ। आज सुबह आयोजित हुए इस कार्यक्रम में भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकार मिलने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर फिटनेस, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव का शानदार संगम देखने को मिला। इस एडिशन में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स को विशेष रूप से शामिल किया गया। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अगुवाई में, यह आंदोलन अपने पहले वर्षगांठ एडिशन में प्रवेश कर रहा है.

नामीबिया ने गैरी को किया सलाहकार नियुक्त

विंडहोक, 07 दिसंबर नामीबिया क्रिकेट ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर और मशहूर अंतरराष्ट्रीय कोच गैरी कर्स्टन को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम का सलाहकार नियुक्त किया है। नामीबिया क्रिकेट ने यह नियुक्ति ऐसे समय की है जब टीम आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी तैयारियां कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, कर्स्टन ने 101 टेस्ट में 7,289 रन और 185 एकदिवसीय में 6,798 रन के साथ एक शानदार खेल करियर का आनंद लिया, वह मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह बहुत अनुभव रखते हैं। एक भरोसेमंद शीर्षक्रम के बल्लेबाज की पहचान के अलावा, उन्होंने घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में एक शानदार कोचिंग करियर बनाया है। 56 साल के कर्स्टन पहले भारतीय टीम के भी मुख्य कोच रह चुके हैं और उन्होंने 2011 में भारत को अपना दूसरा पुरुष क्रिकेट विश्व कप खिताब जिताया था। बाद में उन्होंने अपने देश दक्षिण अफ्रीका को कोचिंग दी और हाल ही में पाकिस्तान की नेशनल टीम के साथ काम किया।

कर्स्टन ने नामीबिया क्रिकेट के साथ जोड़ने को लेकर एक बयान में कहा, 'क्रिकेट नामीबिया के साथ काम करना वाकई में एक गर्व की बात है। मैं एक हाई-परफॉर्मेंस क्रिकेट माहौल बनाने के उनके डेडिकेशन और पक्के इरादे से पूरी तरह इम्प्रेस हुआ हूं।

12वीं बार जीता डॉ. तालिमेरेन एओ जूनियर गर्ल्स एनएफसी का खिताब

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश), 07 दिसंबर मणिपुर ने रविवार को बंगाल को 9-0 से हराकर अपना 12वां डॉ. तालिमेरेन एओ जूनियर गर्ल्स' नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप टियर 1 का खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ ही मणिपुर ने खिताबों की शानदार हैट्रिक भी पूरी की। आज यहां अनंतपुर के आरडीटी स्टेडियम में खेले गये खिताबी मुकाबले में मणिपुर के लिए, चिंगखामयुम रेडिमा देवी (आठवें, 41वें, 65वें) मिनट और लोंगजाम नीरा चानू ने (29वें, 55वें, 59वें) मिनट में गोलकर हैट्रिक लगाई, जबकि याइफबी थोकचोम ने (68वें, 76वें) मिनट में दो गोल किए।

गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा : केएल राहुल

विशाखापत्तनम 07 दिसंबर भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने कहा कि गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा।

दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से शिकस्त देने के बाद केएल राहुल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि टॉस जीतने के बाद टीम जितने गर्व से मेरी ओर देख रही थी वैसा कुछ और करने पर देखती। पहले दो मैचों में हमने कठिन परिस्थितियों का सामना किया था। गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। पिच अच्छी थी और हमने गुच्छों में विकेट हासिल किया। हमें पता था कि जो टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है वह 400 भी चेज़ कर सकती है और लगातार विकेट गंवाकर जल्दी आउट भी हो सकती है। प्रसिद्ध ने जो 2-3 विकेट लिए वो अहम थे फिर कुलदीप ने भी विकेट निकाले। इसी तरह वनडे में आप टीमों पर दबाव बनाते हैं। डी कॉक की बल्लेबाजी शानदार रही।

तारीफ | जायसवाल को वनडे टेम्पो समझना होगा : गंभीर

यशस्वी जायसवाल का भविष्य बाउंड्री से भी बड़ा

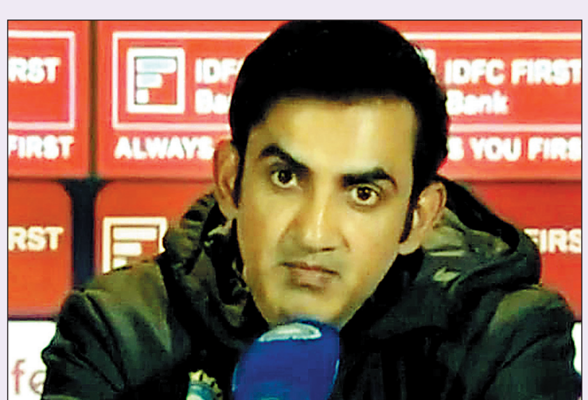

विशाखापट्नम, 7 दिसंबर. भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में नौ विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की, लेकिन इस मैच की सबसे बड़ी कहानी स्कोरबोर्ड से भी ज्यादा उस बल्लेबाजी से जुड़ी थी जिसने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को बेहद खुश किया—यशस्वी जायसवाल का शतक।

यह सिर्फ एक सेंचुरी नहीं थी, बल्कि एक ऐसा बयान था जिसने साफ कर दिया कि यह युवा ओपनर वनडे क्रिकेट में भी अपनी जगह पक्की करने आया है। और गंभीर ने मैच के बाद जिस तरह खुलकर उनकी तारीफ की, उससे यह तो साफ हो गया कि भारत की भविष्य की योजनाओं में जायसवाल एक मेजर फैक्टर होने वाले हैं। गंभीर का विश्लेषण बेहद सटीक और जरूरी था। उन्होंने साफ कहा कि वनडे क्रिकेट सिर्फ अटैक का खेल नहीं है, और जो खिलाड़ी इस फॉर्मेट का टेंपो समझ लेते हैं, वे बेहद खतरनाक बन जाते हैं। 'जब उन्हें यह पता लग गया कि वनडे क्रिकेट में किस शैली से बल्लेबाजी करनी है, तब उनके पास अनंत संभावनाएं होंगी,' गंभीर ने कहा। ये लाइन काफी कुछ कह जाती है—जायसवाल का टैलेंट कभी सवालों में नहीं रहा, लेकिन फॉर्मेट मैनेजमेंट का खेल उन्होंने अब पकड़ना शुरू किया है। वनडे क्रिकेट की एप्रोच पर गंभीर ने बड़ा प्रैक्टिकल पॉइंट उठाया। उनका कहना था कि ज्यादातर युवा खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से सीधे वनडे में आते हैं तो सोचते हैं कि 'यहां तो एकदम अटैक करना है!', लेकिन असल वनडे की खूबसूरती स्मार्ट पेसिंग में होती है।

> उन्होंने बताया कि आप इसे 30 ओवर के बेसिक वनडे मोड और आखिरी 20 ओवर के टी-20 मोड में बांटना सीख लें, तो चीजें काफी आसान हो जाती हैं। जायसवाल के अंदर यह क्षमता बहुत पहले से थी, बस उन्हें समझने की जरूरत थी कि इस फॉर्मेट में टिके रहना शुरुआती गियर है, और अटैक बाद के ओवरों का काम। इसी मैच में उनकी 100+ की नाबाद पारी ने इस थ्योरी को प्रैक्टिकली साबित कर दिया। उन्होंने पहले रोहित शर्मा के साथ 155 रन की साझेदारी की और फिर विराट कोहली के साथ 116 रन की नाबाद साझेदारी।